# VISION IAS

17 DEC 2021

www.visionias.in

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1513)

| | | | |
|---|---|---|---|
| Name of Candidate | आशीष पूनिया | | |
| Medium Eng./Hindi | हिन्दी | Registration Number | 48289 |
| Center | MN | Date | 17/12/21 |

### INDEX TABLE

| Q. No. | Maximum Marks | Marks Obtained |
|---|---|---|
| 1 | 10 | |
| 2 | 10 | |
| 3 | 10 | |
| 4 | 10 | |
| 5 | 10 | |
| 6 | 10 | |
| 7 | 10 | |
| 8 | 10 | |
| 9 | 10 | |
| 10 | 10 | |
| 11 | 15 | |
| 12 | 15 | |
| 13 | 15 | |
| 14 | 15 | |
| 15 | 15 | |
| 16 | 15 | |
| 17 | 15 | |
| 18 | 15 | |
| 19 | 15 | |
| 20 | 15 | |

**Total Marks Obtained:**

**Remarks:**

### INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

# EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. In the context of protection of monuments, explain the role of the Archaeological Survey of India (ASI). Also, comment on the challenges faced by ASI and measures taken to address these. **(150 words) 10**

स्मारकों के संरक्षण के संदर्भ में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की भूमिका की व्याख्या कीजिए। साथ ही, ASI द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों और उनसे निपटने के लिए किए गए उपायों पर टिप्पणी कीजिए।

ASI, संस्कृति मंत्रालय के अधीन संलग्न (attached) निकाय है जो ऐतिहासिक महत्व रखता है।

ASI की भूमिका

- राष्ट्रीय महत्व के स्थलों का संरक्षण
- AMSAR एक्ट 1958 का कार्यान्वयन
- प्राचीन स्मारक 1958 का कार्यान्वयन
- भारतीय विदेशों में की संरक्षण गतिविधियों को बढ़ाना

ASI द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ तकनीकी एवं कार्बन डेटिंग संबंधी मुद्दे

→ वित्तीयन का अभाव

→ रखरखाव

→ कम मानवबल संबंधी मुद्दे

**उपाय**

- तकनीक के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
- PPP प्रोजेक्ट
- कुछ भागों की आउटसोर्सिंग

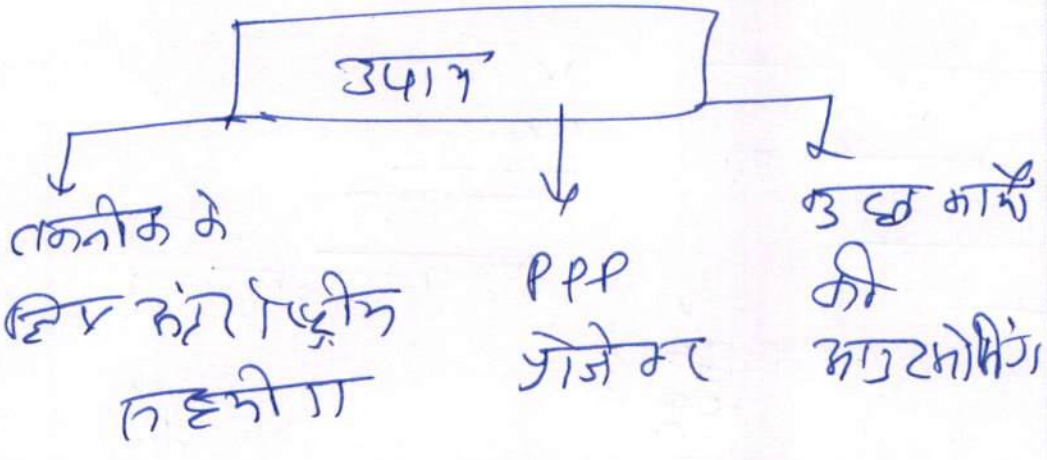

ASI की पुरातत्व खोज और संरक्षण में केन्द्रीय भूमिका है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Tribal art has a huge potential for acting as an economic resource and a tool for socio-economic transformation of tribals in India. Elucidate. Also highlight the challenges in this context. **(150 words) 10**

जनजातीय कला में भारत में जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के लिए एक आर्थिक संसाधन एवं एक उपकरण के रूप में कार्य करने की असीम क्षमता है। स्पष्ट कीजिए। साथ ही, इस संदर्भ में विद्यमान चुनौतियों को भी रेखांकित कीजिए।

जनजातीय कला के माध्यम से सामाजिक आर्थिक परिवर्तन संभव है।

प्रमुख कलाएँ

- कालबेलिया नृत्य → समूह द्विक विरासत में शामिल
  - राजस्थान से लेकर विश्व के कई क्षेत्रों में स्टेज शो
- मागनियार संगीत
  - खड़ताल वाद्ययंत्र
- छत्तीसगढ़ तथा ओडिशा की पट्टचित्रकला
- कश्मीर की पश्मीना ऊन से शॉल निर्माण
  - 2018 नारी शक्ति अवॉर्ड मिला (आरिफा जान को)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ नाट्य क्रियाएँ
→ चित्रकला
→ संगीत
→ मूर्तिकला

**विद्यमान चुनौतियाँ**

- प्रोत्साहन नहीं
- पूंजी, निवेश का अभाव
- कलाकार आर्थिक तंगी में जीवन गुजारते हैं
- कुछ शैलियों का उचित विकास नहीं

**उपाय**

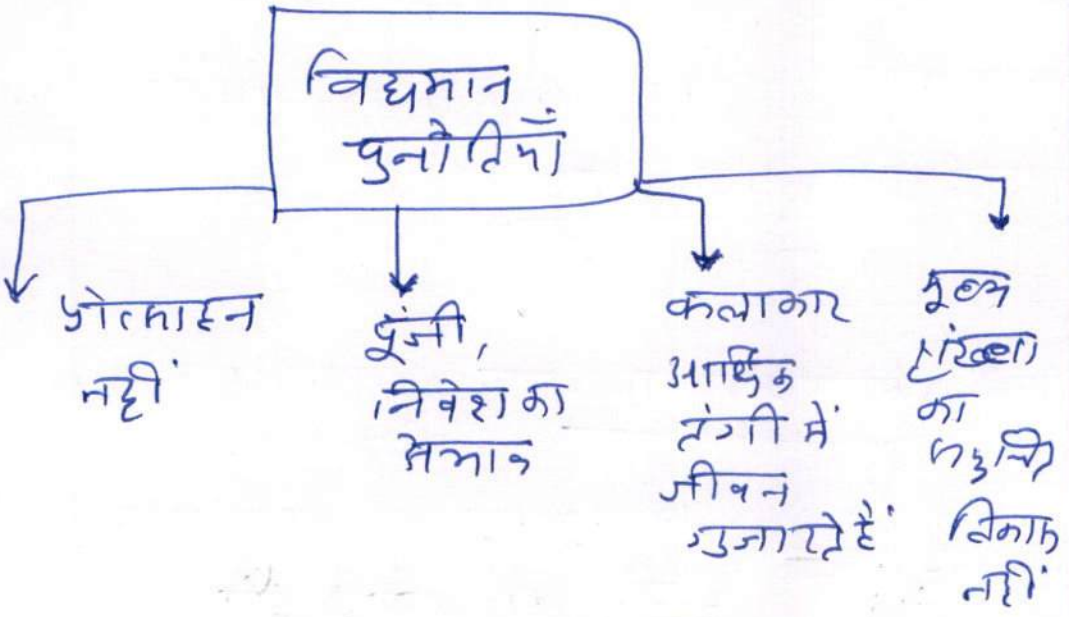

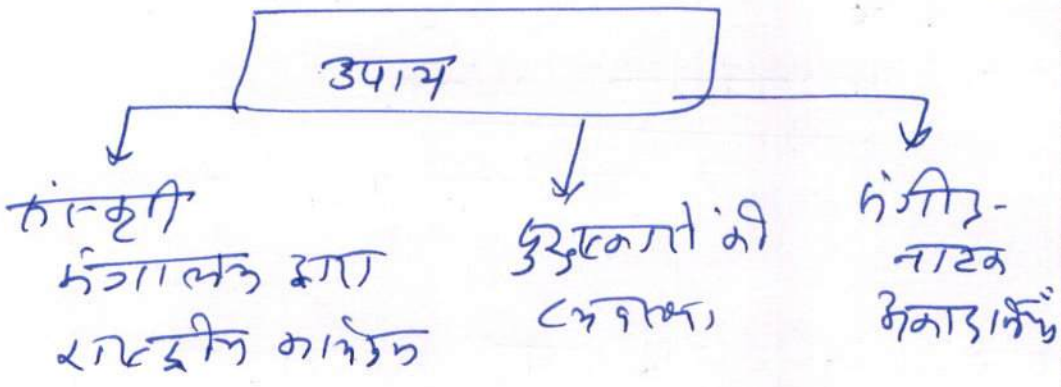

- संस्कृति मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय आयोजन
- प्रदर्शनों की व्यवस्था
- संगीत-नाटक अकादमियाँ

जनजातीय कला को बढ़ावा देकर कला संरक्षण का काम तो होगा ही साथ ही आजीविका के अवसर बढ़ेंगे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Though the Government of India Act, 1919 proposed some radical administrative changes, it remained short of fulfilling aspirations of Indians. Elaborate. **(150 words) 10**

यद्यपि भारत सरकार अधिनियम, 1919 ने कुछ मौलिक प्रशासनिक परिवर्तनों का प्रस्ताव किया, तथापि यह भारतीयों की आकांक्षाओं को पूरा करने में असमर्थ रहा। सविस्तार वर्णन कीजिए।

भारत सरकार एक्ट (1919)

जिसे मोन्टेग्यू - चेम्सफोर्ड सुधार भी कहा जाता है यह ~~भी~~ प्रांतीय स्वायत्तता और शक्ति हस्तांतरण के लिए जाना जाता है।

**मौलिक प्रशासनिक परिवर्तन**

→ प्रांतों को स्वायत्तता → के ~~ब्रिटिश ताज के अधीन~~

→ प्रांतों में द्वैध शासन

- हस्तांतरित विषय
- आरक्षित विषय

→ केन्द्र में द्विसदनीयता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ केन्द्रीय कार्यकारिणी में भारतीय सदस्य → सत्येन्द्र नाथ सिन्हा

→ पृथक् निर्वाचन का विस्तार → ~~दलितों~~ अल्पसंख्यकों, यूरोपीय व्यापारियों तक

→ विधानपरिषदों की सीटें बढ़ाई

(भारतीय आकांक्षाओं को पूरा करने में असमर्थ)

→ स्वराज की मांग नहीं मानी गई
→ कार्यकारिणी में अपर्याप्त प्रतिनिधित्व
→ प्रान्तों में गवर्नर की सर्वोच्चता
→ पृथक् निर्वाचन द्वारा विभाजन की राजनीति

गांधी जी ने इसे स्वाधीनता संग्राम को पीछे ले जाने वाला प्रावधान बताया।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. Often deemed as the 'forgotten conflict', the Korean War had far-reaching implications. Elucidate. **(150 words) 10**

प्रायः 'विस्मृत संघर्ष' के रूप में ज्ञात कोरियाई युद्ध के दूरगामी प्रभाव थे। स्पष्ट कीजिए।

कोरियाई युद्ध शीतयुद्ध के दौरान दक्षिण एवं उत्तर कोरिया दो राष्ट्र राज्यों के बीच क्षेत्रीय संघर्ष है, लेकिन शीतयुद्ध की विशाल शक्तियों के संघर्षों के बीच यह क्षुद्र घटना भुला दी जाती है।

कोरियाई युद्ध के आयाम

→ क्षेत्रीय संकट

→ भारत द्वारा मध्यस्थता

→ भारत गुटनिरपेक्ष आंदोलन का लीडर अतः लोकप्रियता के संबंध गहरा विश्वास

→ मध्यस्थता द्वारा समाधान

→ दक्षिण एशिया में अभूतपूर्व उदाहरण

दूरगामी परिणाम

→ शांति स्थापना

→ अहस्तक्षेप

→ विवादों का स्थायी समाधान

→ जटिल मुद्दों पर सुलह, आर्बिट्रेशन जैसे उपायों को अपनाने की प्रेरणा।

→ मुद्दों को द्विपक्षीय ढंग से निपटाना।

अतः नौसैनिक विवाद और उसका समाधान बेहद ही दूरगामी प्रभाव रखता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Explaining the origin of earth's magnetism, discuss its significance with special reference to its interaction with solar particles. **(150 words) 10**

पृथ्वी के चुम्बकत्व की उत्पत्ति की व्याख्या करते हुए, सौर कणों के साथ इसकी अंत:क्रिया के विशेष संदर्भ में इसके महत्व पर चर्चा कीजिए।

पृथ्वी का चुंबकत्व पृथ्वी के भीतर भूगर्भीय चट्टानों और खनिजों का परिणाम है ~~लेकि~~. साथ ही यह ( ~~चुंबकीय~~ चुंबकीय रेखाएँ ) सौर किरणों के साथ "अरोरा" जैसी घटनाएं भी प्रदर्शित करती है।

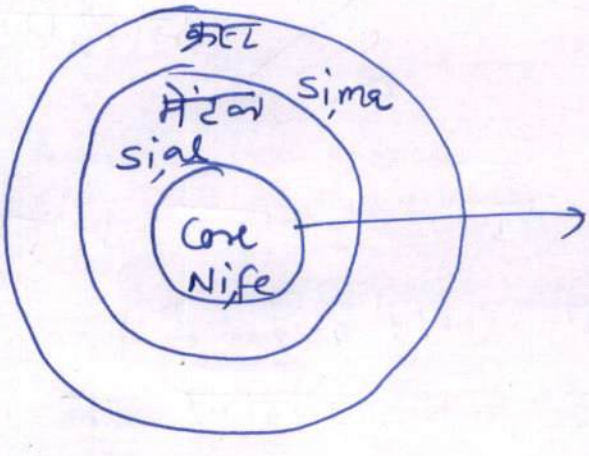

⇒ पृथ्वी की घूर्णन एवं परिक्रमण गति के कारण कुछ वर्षों में ध्रुवों के प्रतिस्थापन की घटना (Pole transfer)

__सौर कि कणों के साथ अंतक्रिया__

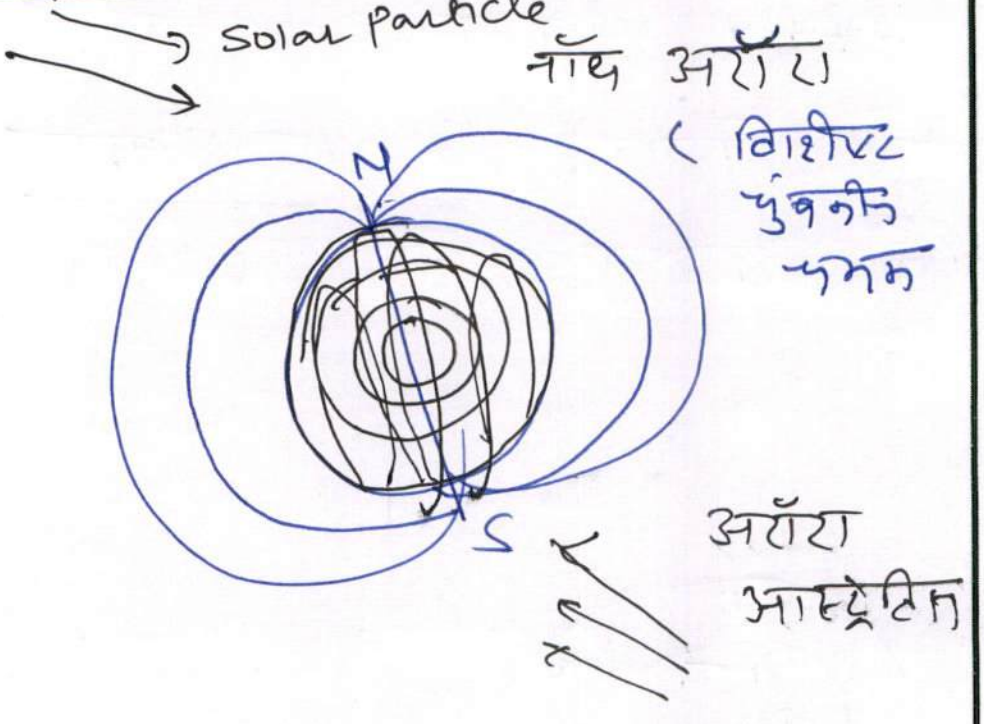




अतः चुंबकत्व और गोलमंडल की अंतर्बंधित है। यह वैश्विक भू-चुंबकीय विज्ञान का नवीन विषय बनकर उभरा है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Discussing the challenges pertaining to dam safety in India, highlight the potential of Dam Rehabilitation and Improvement Project to address them. **(150 words) 10**

भारत में बांध सुरक्षा से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा करते हुए, उन्हें दूर करने के लिए बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना की क्षमता पर प्रकाश डालिए।

भारत में लगभग 1000 बड़े बांध हैं तथा वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट के मुताबिक 2025 में 75% बांध 50 वर्ष से अधिक आयु के हो जायेंगे।

(बांध सुरक्षा संबंधी चुनौतियां)

① उच्च जल प्रवाह, बाढ़ तथा प्लावन की समस्या

② पुराने एवं जर्जर स्थिति → तापीय विस्तारण इत्यादि घटनाओं के कारण

③ बांध सुरक्षा पर समन्वय का अभाव / जल संबंधी कृषि विषय राज्य सूची में

④ सूखा और बाढ़ संबंधी समस्याएँ

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

⑤ बांध पुनर्वास, विस्थापन की समस्याएँ

DRIP प्रोजेक्ट

→ DRIP-1 (2012 से मार्च 2021)
↳ WB (विश्व बैंक) + भारत सरकार
- 217 बांधों की रेट्रोफिटिंग

→ DRIP-2 → 2021 से 2031
↳ 700 बांधों पर ध्यान केंद्रित
→ फ्लोटिंग सोलर एनर्जी
→ क्षमता विकास
→ नोडल एजेंसी → CWC
→ "धर्मा" पोर्टल

बांधों की सुरक्षा का निर्देशन, संचालन के लिए इस दिशा में सरकार का बांध सुरक्षा कानून 2020 भी उल्लेखनीय है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. What is understood by Carbon Compensation Depth (CCD)? Discuss the implications of the rise in this depth due to anthropogenic warming as well.
**(150 words) 10**

कॉर्बनेट क्षतिपूर्ति गहराई या कार्बन कंपनसेशन डेप्थ (CCD) से क्या अभिप्राय है? साथ ही, मानवजनित तापन (एंथ्रोपोजेनिक वार्मिंग) के कारण इस गहराई में हुई वृद्धि के निहितार्थों की भी विवेचना कीजिए।

मानवजनित तापन की
वजह से जलवायु परिवर्तन
तथा कार्बोनेट क्षतिपूर्ति जैसी
कई अभूतपूर्व घटनायें
परिलक्षित हो रही हैं।

CCD →

⇒ पृथ्वी की कार्बन
सिंक के रूप में कार्य करने
की क्षमता प्रभावित

⇒ गंभीर जलवायवीय
परिणाम

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

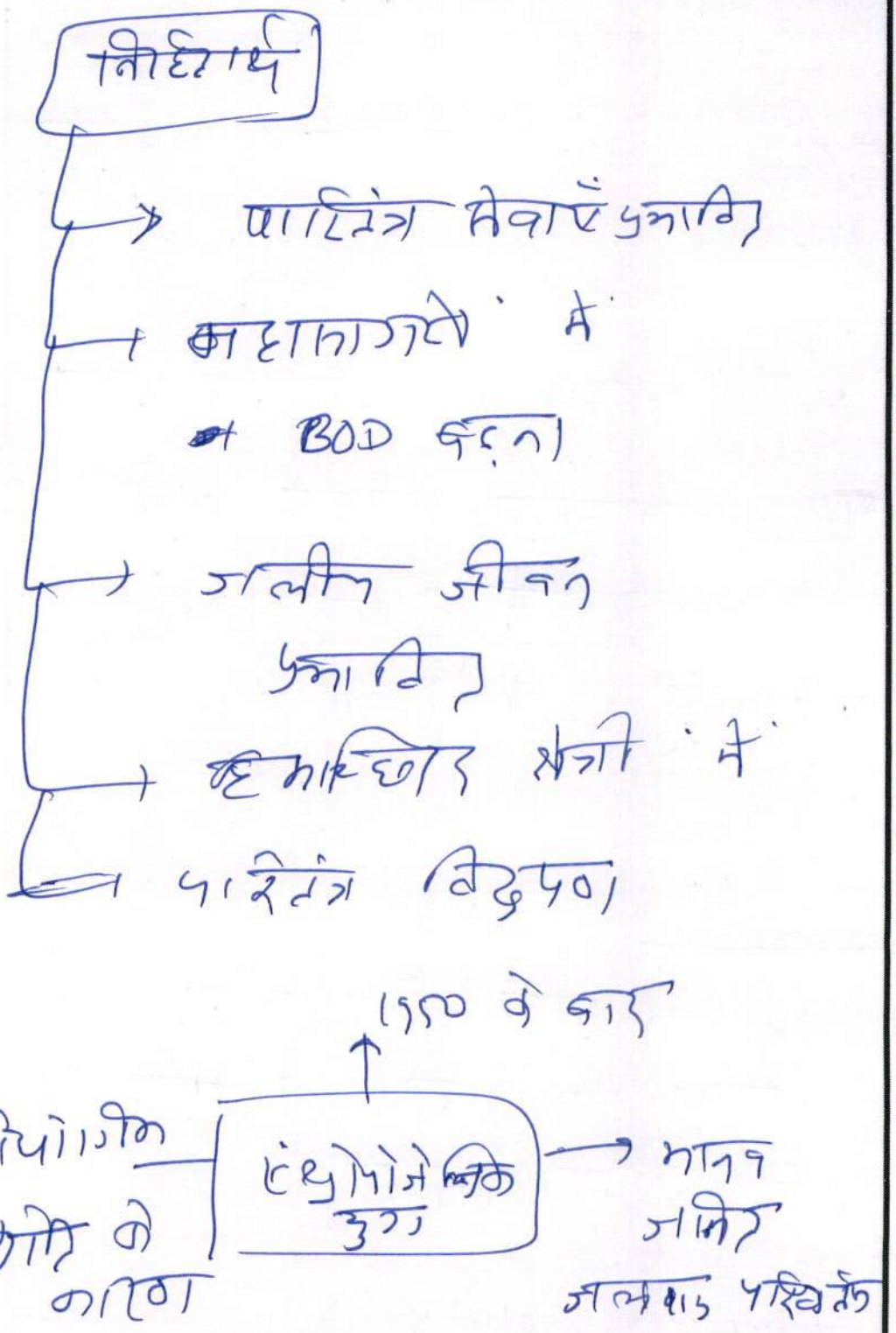

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Explaining the concept of social mobility and its relationship with equality, mention the impediments in ensuring it. **(150 words) 10**

सामाजिक गतिशीलता की अवधारणा और समानता के साथ इसके संबंध की व्याख्या करते हुए, इसे सुनिश्चित करने में आने वाली बाधाओं का उल्लेख कीजिए।

सामाजिक गतिशीलता पीढ़ी संक्रमण के साथ अवसरों में प्राप्ति में हुए बदलाव को रेखांकित करती है।

एक पीढ़ी → संतति पीढ़ी

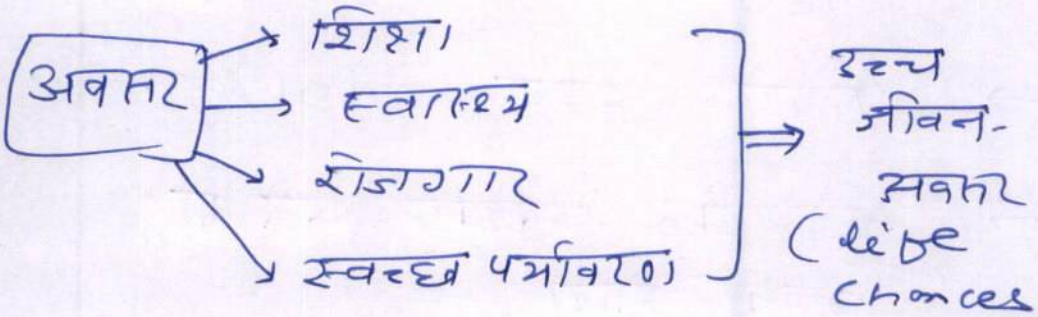


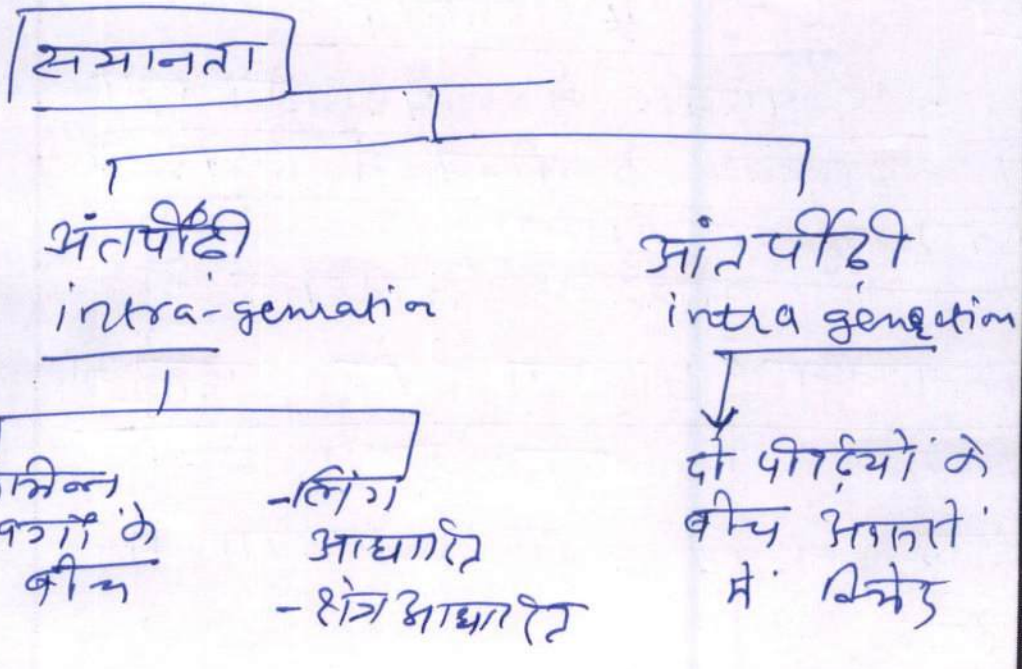

समानता एवं सोशल मोबिलिटी को सुनिश्चित करने में बाधाएँ

- लर्निंग पॉवर्टी, पीरियड पॉवर्टी
- अधिकारों के प्रति जागरूकता का अभाव
- अवसरों की समानता उपलब्ध नहीं
- पोषण, हेल्थ संबंधी मुद्दे
- सार्वजनिक देखभाल खर्च का कम होना।

उदा० एक उद्योगपति और एक BPL परिवार में पैदा होने वाली दो लड़कियों के जीवन में विभेदीकृत सामाजिक गतिशीलता।

भारत के संविधान की प्रस्तावना "प्रतिष्ठा और अवसर की समानता" की बात करती है जो सोशल मोबिलिटी के विकास में निदेशक है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. In view of demographic changes in recent decades, do you think India needs a two-child policy? Discuss in light of various strands of the debate surrounding this issue. **(150 words) 10**

हाल के दशकों में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को देखते हुए, क्या आपको लगता है कि भारत में दो-बच्चों की नीति (टू चाइल्ड पॉलिसी) की आवश्यकता है? इस मुद्दे से संबंधित बहस के विभिन्न पहलुओं के आलोक में चर्चा कीजिए।

UN जनसंख्या फंड द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक भारत 2027 में चीन को पार करते हुए सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश बन जायेगा।

हाल के दशकों में जनसांख्यिकी बदलाव

→ 2002 जनसंख्या नीति ने 2025 (पहले 2010 था) तक TFR को प्रतिस्थापन दर 2.1 तक लाना

⇓

NFHS-5 के अनुसार मिजोरम, मेघालय, बिहार को छोड़कर सभी राज्यों में TFR, 2.1 से कम

→ 2041 में भारत डेमोग्राफी डिविडेंट के पीक पर होगा, जनसंख्या

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

का अत्याधिक बढ़ना क्रिकेट के बजाय 'रिसॉर्ट कक्षा' को बढ़ावा दे सकता है।

→ जनसांख्यिकी बदलाव में एक बड़ा परिवर्तन प्रवासन के कारण भी दिखता है। 2011 जनगणना में 590 मिलियन व्यक्ति आंतरिक प्रवासी

**2 चाइल्ड पॉलिसी**

पक्ष में तर्क
- → जनसंख्या नियंत्रण
- → संसाधन नियंत्रण
- → सतत विकास
- → स्रोत विखंडन नहीं

विपक्ष में तर्क
- चाइना का अनुभव अच्छा नहीं
- TFR लगातार कम
- प्राकृतिक निरोध (माल्थस)

वर्तमान में 2025 तक जनसंख्या नीति 2002 के लक्ष्यों पर काम करना चाहिए तथा 2025 के बाद नई नीति को लेकर स्पष्टता बनेगी।

**VISION IAS™**

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Globalization is incredibly efficient but has so far been incredibly unjust. Examine the statement in the context of developing countries like India. **(150 words) 10**

वैश्वीकरण अद्वितीय रूप से दक्ष है परन्तु अब तक अत्यधिक अन्यायपूर्ण रहा है। भारत जैसे विकासशील देशों के संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिए।

वैश्वीकरण परिवर्तनों की जटिल श्रृंखला है। जिसमें राजनीतिक सामाजिक आर्थिक बदलाव देखे जाते हैं। यह विभिन्न स्थानों के लोगों पर पारस्परिकता, तथा अंतःक्रिया को बढ़ावा देता है।

वैश्वीकरण की दक्षता

→ विदेशी व्यापार बढ़कर जीवनावसरों में वृद्धि।

→ लिंग समानता को बढ़ावा।

→ समस्याओं के समाधान के लिए बाजारीकरण के उपागम

→ पण्यीकरण → योग, श्रम जैसी और विक्रय वस्तुएँ → पण्य योग्य

→ प्रतिस्पर्धा, उदारीकरण

→ तकनीक, उच्च दक्षता वाली उपभोग वस्तुएँ

| विकासशील देशों में अन्यायपूर्ण |
|---|

→ परिवार व्यवस्था में बदलाव, एकल परिवार

→ बुजुर्गों की देखभाल संबंधी मुद्दे (एएम शाह की पुस्तक 'फैमिली इन इंडिया')

→ आय असमानता में भारी वृद्धि

→ पण्यरति (comodaitty fetishism)

→ सामाजिक अतिक्रमण

→ निजता, डाटा, नाटक श्रेर

वैश्वीकरण नहीं रोके जाने वाली प्रक्रिया है अतः WEF द्वारा प्रस्तावित 'न्यू ग्लोबल रीसेट' जैसी अवधारणाएँ अमल में लायी जानी चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**11.** "It would not be completely wrong to state that in India, art is religion and religion is art." In light of the statement, discuss the impact of various religions on art in India, citing relevant examples. **(250 words) 15**

"यह कहना पूर्णतः गलत नहीं होगा कि भारत में कला ही धर्म है और धर्म ही कला है।" इस कथन के आलोक में, प्रासंगिक उदाहरण देते हुए भारत में कला पर विभिन्न धर्मों के प्रभाव पर चर्चा कीजिए।

भारत ही नहीं किसी भी सभ्यता में स्थापत्य, मूर्तिकला, चित्रकला पर धर्म एवं दर्शन का प्रभाव देखा जा सकता है।

तथा धर्म के प्रभाव से बने ये स्थापत्य ही फिर धर्म के प्रसार का काम करते हैं।

कला और धर्म अंतर्संबंधित क्यों?

- राजाओं द्वारा धर्म और कला को संरक्षण।
- कला और धर्म राज्य की प्रभुसत्ता को स्वीकृति प्रदान करते हैं।

प्रासंगिक उदाहरण।

① बौद्ध धर्म का प्रभाव अशोक कालीन स्तम्भों सांची, सारनाथ बोधगया, तक्षशिला इत्यादि पर

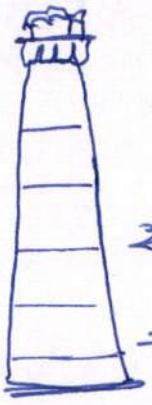

अशोक का
स्तंभ लेख - 2
→ बौद्ध धर्म के प्रभाव से कला निर्माण
→ लेकिन इस पर अंकित 'धम्म उपदेश' धर्म प्रसार ⇒
'अपासिनवे बहुकयाने दयादाने सचेसोचये माधवे साधवे च:' ✓

(2) सातवाहन काल चैत्य एवं विहार

(3) उड़ीसा के खारवेल ने जैन धर्म के भिक्षुओं के लिए उदयगिरि एवं खंडगिरी गुफाएँ

(4) कनिष्क (महायान) ने गांधार एवं मथुरा कला का विस्तार बौद्ध तथा यूनानी धर्म के आलोक में

(5) सातवाहन शासकों ने अजंता कालीन चित्र eg- मरणासन्न राजकुमारी, मारविजय, पद्मपाणी के चित्र।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

⑥ गुप्त काल में भागवत धर्म का प्रसार का प्रभाव चित्रकला, मूर्तिकला, मंदिर कला
उदा. झांसी देवगढ़, तिगवा आदि

⑦ पूर्वमध्यकाल में मंदिर निर्माण की तीन शैलियां → द्रविड़, वेसर, नागर

⑧ इस्लाम धर्म के आगमन तथा तुर्कों के आक्रमण के पश्चात मकबरे, उद्यान, दरवाजों, गुम्बदों, मस्जिदों का निर्माण।

उदा. लोदी गार्डन
अलाई दरवाजा, हौजखास
कुव्वत उल इस्लाम
कुतुबमीनार

⑨ चित्रकला → राजस्थानी पर कृष्ण का प्रभाव (बणीठणी)

⑩ पाल चित्रकला → वज्रयान बौद्धधर्म का

अतः देखना संभव है कि धर्म ने कला के सभी रूपों को प्रभावित किया तथा कला ने धर्म को लोक ग्राह्य रूप प्रदान किया।

# VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**12.** Despite organizational apathy from the Indian National Congress in its initial years, the working class in various parts of the country subsequently participated overwhelmingly in the nationalist movement. Discuss.

**(250 words) 15**

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रारंभिक वर्षों में संगठनात्मक रूप से इससे दूर रहने के बावजूद, देश के विभिन्न हिस्सों में मजदूर वर्ग ने बाद में राष्ट्रवादी आंदोलन में प्रभावशाली रूप में भाग लिया। चर्चा कीजिए।

प्रारंभिक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस(INC) अपने एजेंडा मे श्रमिक मुद्दों को शामिल नही करती है, INC इसे आत्मनिर्भर एवं आयात प्रतिस्थापन के लिए भारतीय उद्योगपतियों के समर्थन के लिए अपनाती है।

मजदूर वर्ग शुरुआती दौर में

① 1881 एवं 1891 के श्रम सुधार के लिए कारखाना एक्ट → बच्चों और महिलाओं को सीमित राहत

② कांग्रेस द्वारा अभिजात्य वर्ग का नेतृत्व, अतः मजदूर पर्याप्त दूरी पर

③ भारतीय उद्योगपति ब्रिटिश आयात के सामने प्रतिस्पर्धा अतः सस्ते, शांतिपूर्ण श्रम की आवश्यकता

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19वीं सदी के उपरांत मजदूर वर्ग

1. तिलक के नेतृत्व में पेनन्सुला रेल्वे हड़ताल

2. भारत श्रमजीवी जैसे मजदूर समर्थक अखबार

3. नारायण मल्हार जोशी द्वारा विधिक सहायता आदि के लिए सिविल समाज का गठन

4. AITUC की स्थापना

5. असहयोग आंदोलन में हिस्सेदारी

6. असहयोग में भागीदारी से पूर्व अहमदाबाद में मिल हड़ताल सफल

7. ~~बाम्बे~~ गांधीजी द्वारा टेक्सटाइल इंडिया एसो०।

8. 1924 में व्यापार संगठन एक्ट

9. 1928 ट्रेड डिस्प्यूट एक्ट

10. रूसी क्रांति से प्रेरणा

11. 1942 के दौरान फासीवाद विरोधी आंदोलन

12. 1945-46 नाविक एवं INA आंदोलनों में सफलता

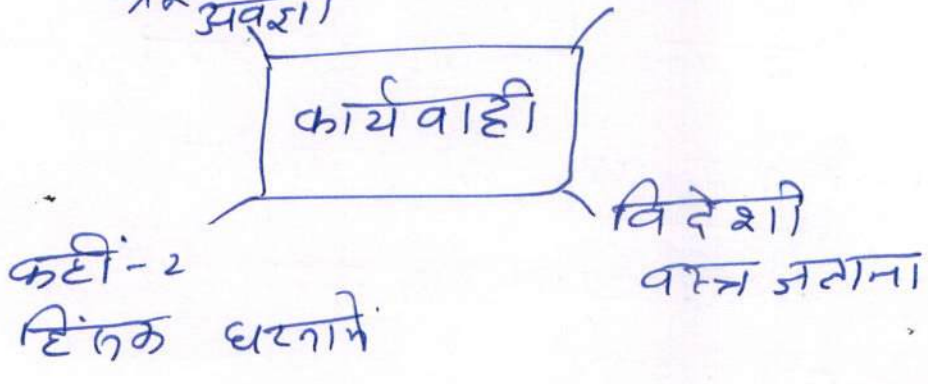

**कार्यवाही**
- कानूनों की अवज्ञा
- धरना, प्रदर्शन
- विदेशी वस्त्र जलाना
- कहीं-2 हिंसक घटनायें

गांधी जी के सार्वजनिक राजनीति में प्रवेश करने के साथ ही मजदूर वर्ग शामिल हुआ और यह स्वाधीनता संग्राम तथा श्रमिक सुधार दो मोर्चों लगातार संघर्ष करता रहा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**13.** Though some of his early measures restored faith among the Indians in the liberal tradition of England, Lord Ripon's tenure did not bring about significant changes in the conservative mindset of the colonial bureaucracy. Comment. **(250 words) 15**

यद्यपि लॉर्ड रिपन द्वारा किए गए कुछ शुरुआती उपायों ने इंग्लैंड की उदार परंपरा में भारतीयों के विश्वास को पुनर्बहाल किया, तथापि उसके कार्यकाल में औपनिवेशिक नौकरशाही की रूढ़िवादी मानसिकता में महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुए। टिप्पणी कीजिए।

लॉर्ड रिपन का कार्यकाल (1877-1882) उदारता का कार्यकाल माना जाता है तथा 'रिपन' को भारत में स्थानीय शासन का पिता कहा जाता है।

* कुछ उपाय जो उदार परंपरा से युक्त थे:

① 1878 में लिटन द्वारा पारित वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट को समाप्त किया।

② पंचायतीराज (स्थानीय संस्थाओं को शिक्षा, कृषि, सिंचाई इत्यादि के लिए अनुदान की व्यवस्था)

③ इलबर्ट बिल ~~पारित कि~~ को लागु करने की कोशिश।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

④ इल्बर्ट बिल में प्रावधान था कि यूरोपीय जज अब यूरोपीय वादियों के मामलों की भी सुनवाई कर सकेंगे।

⑤ सिविल में न्यूनतम आयु को बढ़ाया

⑥ शिक्षा एवं अकाल के लिए आयोगों का गठन।

* लेकिन, नौकरशाही की रूढ़िवादी मानसिकता में बदलाव नहीं

① इल्बर्ट बिल का भारी विरोध, अंततः संशोधन किया गया

② धन निष्कासन

③ रिपन द्वारा प्रस्तावित सुधार काफी हद तक नौकरशाही द्वारा लागू नहीं किए गए

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) परिषदों में भारतीय सदस्यों की भूमिका बेहद कम

अतः रिपन ने बेहद उदारता का परिचय दिया लेकिन शेष नौकरशाही की जड़ता की वजह से बदलावों ~~जमीन पर~~ को अमल नहीं किया जा सका।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**14.** The New Social Movements in post-independence period made an important beginning in awakening the society against injustices and deepened the very notion of democracy in India. Discuss. **(250 words) 15**

स्वातंत्र्योत्तर अवधि में नए सामाजिक आंदोलनों ने अन्याय के विरुद्ध समाज को जागरूक बनाने में एक महत्वपूर्ण शुरुआत की और भारत में लोकतंत्र की धारणा को सुदृढ़ किया। चर्चा कीजिए।

स्वतंत्रता पूर्व अवधि में लगभग सभी वर्ग आंदोलन से जुड़े लेकिन सभी स्वातंत्र्योत्तर दौर में अपने वांछित हितों को लेकर संतुष्ट नहीं थे यथा - महिलाएँ, दिव्यांगजन, कृषक इत्यादि।

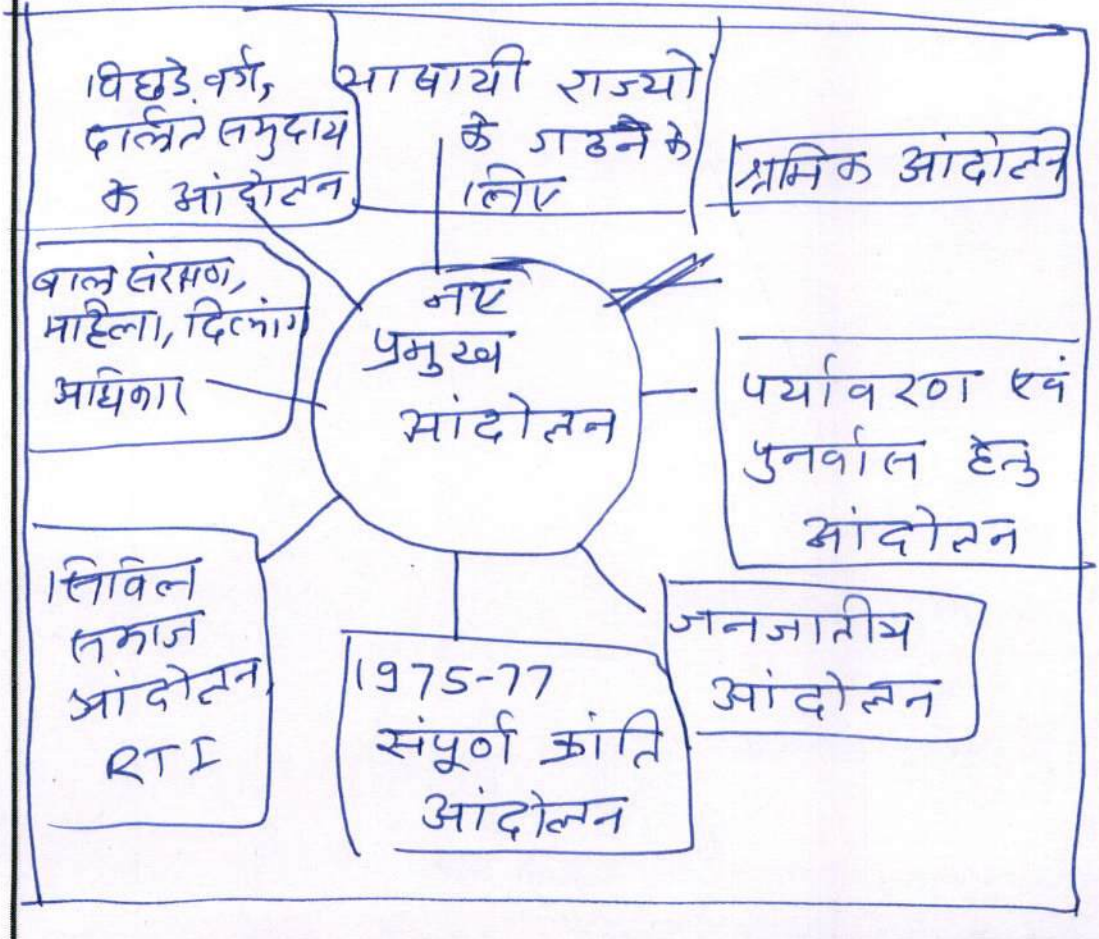

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अन्याय के विरुद्ध समाज को जागरुक

→ महिला आंदोलन → संवैधानिक अधिकार अनु॰ 15(3), 243D, तथा कानूनी अधिकारों का प्रचार
- → दहेज प्रतिरोध एक्ट 1961
- → घरेलू हिंसा प्रतिरोध एक्ट 2005
- → NCW 1990

तथा बच्चों के लिए NCPCR, 2005

SC/ST/OBC → अनु॰ 330, 332, 340
- → राष्ट्रीय आयोग
- → अत्याचार निवारण एक्ट
- → जागरुकता बढ़ी, भेदभावक
- → जनजातीय समुदाय को FRA, 2006 से वन भूमि के अधिकार

- पंचायतीराज मुद्दा

दिव्यांगजन → दिव्यांगजन अधिकार एक्ट 2016
- → आरक्षण बढ़ाना
- → प्रमुख आंदोलन → अनिता घई के नेतृत्व में

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोकतंत्र की धारणा को मजबूती

① चुनावों में मतदान प्रतिशत बढा।

② विभिन्न आंदोलन जनमत को प्रभावित करते हैं

③ SHGs आंदोलन ने महिलाओं को प्रत्यक्ष राजनीतिक भागीदारी के अवसर

केस अध्ययन → प्रमिला बिसोई, ओडिशा के अस्का जिले में 17 वर्षों से SHG में कार्यरत। अब अस्का जिले से लोकसभा mp है।

अतः स्वातंत्र्योत्तर आंदोलनों ने सिविल समाज की भूमिका बढाई, साथ ही साथ प्रत्येक वर्ग के हित में सरकारी ध्यान का आकर्षित किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**15.** What are the reasons for recurrent and often catastrophic wildfires in places like Australia and the United States? Are there any lessons to be learnt from these events by India? Explain adequately. **(250 words) 15**
ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में बार-बार और प्रायः विनाशकारी वनाग्नि के क्या कारण हैं? क्या भारत को इन घटनाओं से कोई सीख लेनी चाहिए? विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए।

ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका के स्टेपीज घास मैदान वनाग्नि के प्रति बेहद प्रवण है और यह पारितंत्र सेवाओं और प्रजातियों के लिए ~~के~~ भारी विनाश-कारी है।

ऑस्ट्रेलिया में वनाग्नि के कारण

→ पश्चिमी क्षेत्र में भारी शुष्कता (dryness), हवा में कर्षण

→ जलवायु परिवर्तन की वजह से आर्द्रता ह्रास → पौधों में आग के प्रति दुर्भेद्यता

→ इंडियन ओशियन डायपोल तथा अलनीनो - लानीना भी बेहद कोष्ण जलवायु दशाएं निर्मित करते हैं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ प्रबंधन रणनीतियों की अप्रभाविता

USA में कारण

1. स्टेपीज मैदानों में अग्निप्रवण घास

2. हरिकेन तथा टोरनेडो द्वारा आग को विस्तारित करने की घटनाएँ।

भारत की सीख

→ जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करना तथा अनुकूलन

→ अग्निशमन के चार मेथड

① टेक्नोलॉजिकल मेथड → हेलीकॉप्टर तथा रासायनिक छिड़काव से

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② काउंटर फायर

③ ग्रीन लाइन बाउण्ड्री

④ कंपार्टमेंट जोनिंग

~~⑤ अंत~~

→ तथा भारत अंतर एजेंसी समन्वय भी सीख सकता है

⇒ 'MODIS' नासा का अंतरिक्ष उपकरण जिसे वनाग्नि प्रबंधन को मापन में भारत में काम में लिया जा रहा है। (रिमोट सेंसिंग के साथ)

अतः हम इन घटनाओं से पूर्व तैयारी, शान्त वायुमण्डल से संबंधित सीख तथा NDRF तथा वन विभाग के बीच समन्वय सीख सकते है। तथा CDRI (आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना) के एजेंडा में जंगल की आग को शामिल करना होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**16.** Discuss why India needs a cross border flood management mechanism. Also, state the major issues in cross border flood management and suggest remedial measures in this context. **(250 words) 15**

चर्चा कीजिए कि भारत को सीमा-पार बाढ़ प्रबंधन तंत्र की आवश्यकता क्यों है। साथ ही, सीमा-पार बाढ़ प्रबंधन से जुड़े प्रमुख मुद्दों को वर्णित करते हुए इस संदर्भ में उपचारात्मक उपायों का सुझाव दीजिए।

भारत में प्रतिवर्ष बिहार, असम तथा पश्चिम बंगाल में बाढ़ की घटनाएँ भयंकर जानमाल की तबाही के रूप में परिणत होती है। ये बाढ़ अधिकतर ब्रह्मपुत्र, तीस्ता, बराक आदि नदियों के क्षेत्र में देखी जा सकती है।

## सीमापार प्रबंधन की आवश्यकता

① नदियों की अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति

तीस्ता → भारत - नेपाल

गंगा → भारत - बांग्लादेश

ब्रह्मपुत्र → इंडिया - चाइना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② हाइड्रोलॉजिकल डाटा एवं बहाव की प्रकृति को जानने के लिए

③ दोनों देशों के नागरिकों को प्रभावित

④ दोनों देशों में अर्थव्यवस्था को नुकसान

⑤ मेकांग तथा राइन नदी जैसे अंतर्राष्ट्रीय उदाहरणों की तुलना

सीमापार प्रबंधन में मुद्दे

① भू राजनैतिक स्थितियाँ → चीन द्वारा डोकलाम के उपरांत ब्रह्मपुत्र नदी के डाटा साझा करना बंद

② जल राजनैतिक संवेदनशील विषय

③ बाँध निर्माण एवं जलविद्युत परियोजनाएँ

④ डाटा होने के बावजूद प्रामाणिकता के मुद्दे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) ग्लेशीयर पिघलने से बहाव में वृद्धि।

(6) GLOFs (ग्लेशीयर लेक आउटब्रस्ट फ्लड्स)

उपचारात्मक उपाय

(1) सार्क, SCO, आदि संगठनों तथा द्विपक्षीय सहयोग के विषयों में शामिल करना।

(2) साझा अनुसंधान दल एवं

(3) हाइड्रॉलिकल स्टडीज सेन्टर

(3) तकनीक हस्तांतरण एवं उपग्रह डाटा शेयरिंग

(4) ITEWS (सुनामी अर्ली वॉर्निंग) की तर्ज पर सीमापार आपदा सिस्टम

सीमापार बाढ़प्रबंधन दक्षिण एशिया के प्रमेय वर्गों को संरक्षित करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण रणनीति है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Depletion of water resources in India is both a geo-climatic phenomenon as well as a result some short-sighted government policies. Discuss.

**(250 words) 15**

भारत में जल संसाधनों का ह्रास एक भू-जलवायु (जियो-क्लाइमेटिक) घटना के साथ-साथ कुछ अदूरदर्शी सरकारी नीतियों का परिणाम है। चर्चा कीजिए।

भारत में विश्व की 18 फीसदी आबादी रहती है जो विश्व के केवल 4% स्वच्छ जल संसाधनों को धारण करती है तथा जल संसाधनों का ह्रास भी लगातार कई कारणों से देखने को मिल रहा है

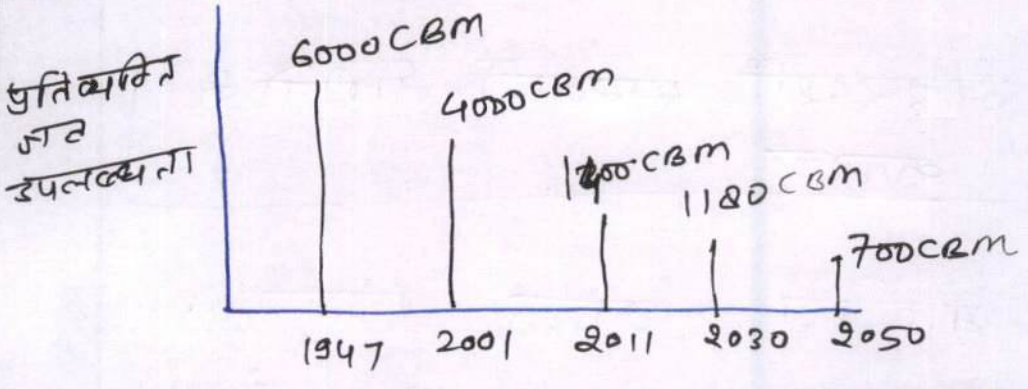


CWMI, नीतिआ०

जल संसाधन ह्रास
एक भू जलवायवीय घटना

→ 100 दिनों के वर्षा काल (द०प० मानसून) के दौरान कुल वर्षा का 73% भाग बरस जाता है संचयन, प्रबंधन नहीं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

② जलवायु परिवर्तन

③ एल-नीनो

④ नकारात्मक इंडियन ओशियन डायपोल

⑤ वृष्टिछाया प्रदेश, रेगिस्तान,

⑥ 68% फसली क्षेत्र सूखा प्रवण (विश्व बैंक)

अदूरदर्शी सरकारी नीतियों के कारण

① सब्सिडी → उर्वरक, विद्युत के कारण भूजल उपभोग पैटर्न अतार्किक।

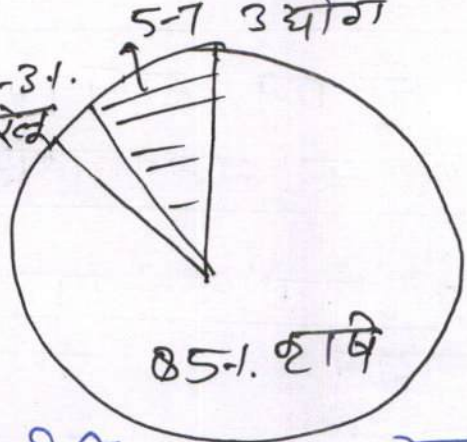




② राष्ट्रीय जल नीति 2012 राज्यों ने प्रभावी नहीं बनाया।

③ वनोन्मूलन, प्राकृतिक जलाशयों का ह्रास

④ बाढ़ मैदानों में निर्माण कार्य

⑤ नदी प्रदेशों में रेत खनन

⑥ KUSUM योजना → भूजल का अत्यधिक दोहन

**समाधान**

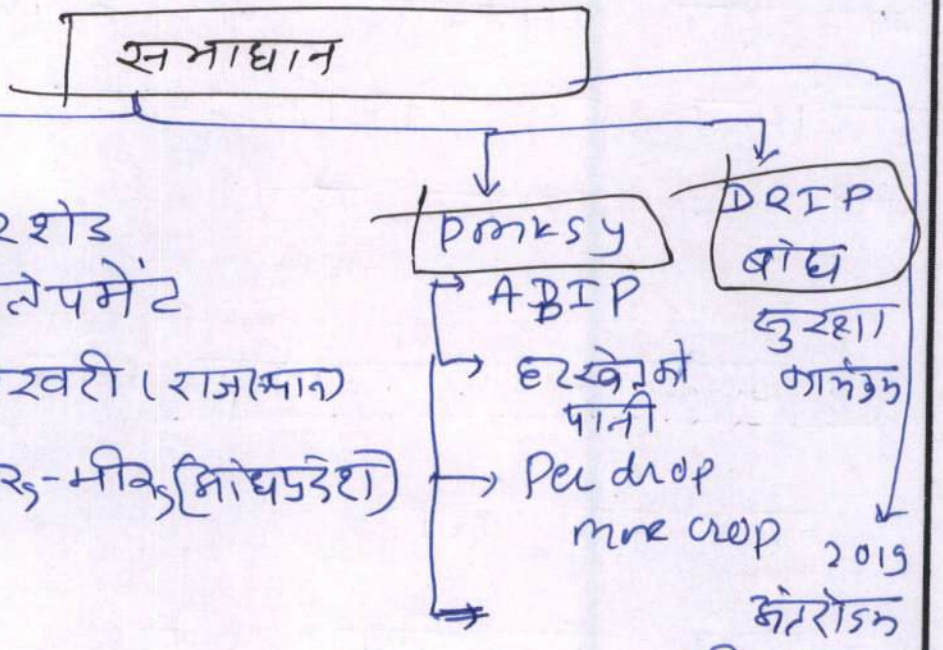

- वाटरशेड डवलेपमेंट
  - → अरवरी (राजस्थान)
  - → नीरु-मीरु (आंध्रप्रदेश)
- PMKSY
  - → ABIP
  - → हर खेत को पानी
  - → Per drop more crop
  - →
- DRIP बांध सुरक्षा कार्यक्रम
- 2019 केंद्रीय नदी रजिस्टर, राष्ट्रीय हाइड्रोलॉजिकल डेटाबेस

जल ह्रास के लिए सरकारी नीतियाँ और जनमानस दोनों कारक हैं। समाधान के लिए सरकार ने जल शक्ति मंत्रालय का गठन, वाटर रिचार्ज के लिए NAQUM योजना एवं जागरूकता हेतु जल शक्ति अभियान शुरू किए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. What are the major lithospheric plates? How and why do these plates move? (250 words) 15

प्रमुख स्थलमंडलीय प्लेटें कौन-सी हैं? ये प्लेटें कैसे और क्यों गति करती हैं?

मेकेन्जी और मोर्गन ने 1967 में प्लेट विवर्तनिकी सिद्धान्त दिया। उन्होंने साबित किया कि महाद्वीप गतिशील नहीं है, बल्कि महाद्वीपीय एवं महासागरीय प्लेटें गतिमान है।

**प्रमुख स्थलमंडलीय प्लेटें**

1. यूरोपीय प्लेट
2. इंडो ऑस्ट्रेलियाई प्लेट
3. प्रशांत महासागरीय प्लेट
4. उत्तरी अमेरिकी प्लेट
5. दक्षिणी अमेरिकी प्लेट
6. अफ्रीकी प्लेट
7. ~~अंटार्कटिक~~ यूरेशियाई प्लेट

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अन्य प्लेटें
→ नजका
→ कोलिपीनियन इत्यादि

प्लेटों की गति | क्यों और कैसे?

→ संवहन (हैरी हेस) के कारण दुर्बलतामंडल के ऊपर स्थित प्लेटें नाव की तरह गति

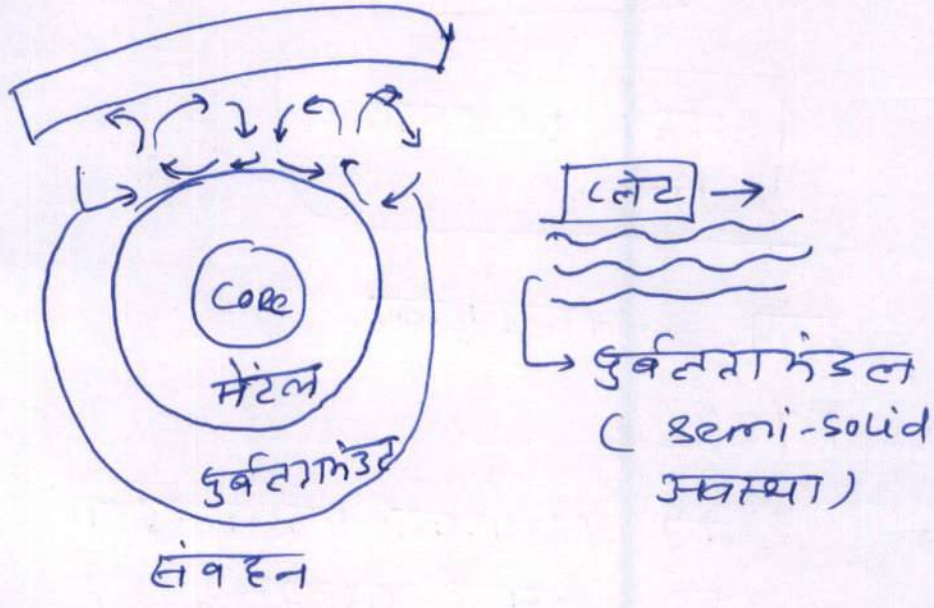




⇒ प्लेटों की गति का दूसरा कारण है भूगर्भीय रेडियोएक्टिव पदार्थों की वजह से उच्च तापजन्य परिस्थितियाँ | तथा

**प्लेटों की गति**

① अभिसरण



② अपसरण



→ परिप्रशांत क्षेत्र

→ मध्य अटलांटिक कटक

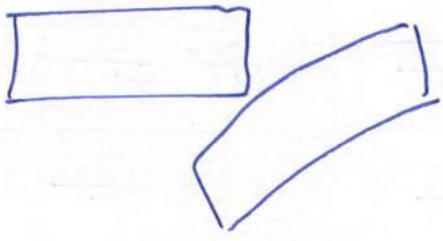

③ रूपांतरण



**प्लेटों की गति के प्रभाव**

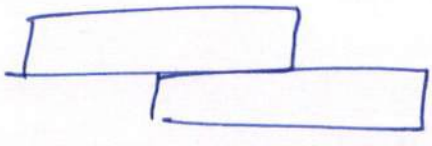

- → भूकंप, ज्वालामुखी
- → MORs
- → प्लेट विस्थापन एवं महाद्वीपों का स्थान परिवर्तन
- → मेंटल प्लूम

अतः मॉर्गन और मेकेन्जी के मॉडल ने भूगर्भ और महाद्वीपों के विकास को बेहतर वैज्ञानिक ढंग से समझाया है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**19.** There exists a wide gap between the constitutionally professed secularism and its practice in India. Do you agree? Substantiate with relevant arguments. **(250 words) 15**
संवैधानिक रूप से घोषित पंथनिरपेक्षता और भारत में इसे व्यवहार में लाने के बीच एक व्यापक अंतर मौजूद है। क्या आप इससे सहमत हैं? प्रासंगिक तर्कों के साथ पुष्टि कीजिए।

पंथनिरपेक्षता का अभिप्राय

राज्य और धार्मिक समुदायों के मध्य संबंधों की पारस्परिकता से है जहाँ पर सभी धर्मों का समान रूप से संरक्षण होता हो। (नेहरूजी)

संविधान में घोषित धर्मनिरपेक्षता

→ प्रस्तावना में उल्लेख

→ मूल अधिकार → 25, 26, 27, 28 अनुच्छेद 350 B

| 29 (1) | 29 (2) | 30 (1) | 30 (2) |
|---|---|---|---|
| → भाषा, लिपि संस्कृति का संरक्षण | → ~~सत्य~~ धर्म, वंश, जाति के आधार पर भेद नहीं | → धार्मिक संगठन, शैक्षणिक संस्थान | राज्य सहायता देते वक्त भेद नहीं करेगा ) |

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

## व्यवहार में धर्मनिरपेक्षता

**सकारात्मक पक्ष**

- विभिन्न भाषाएँ → 1832 बोलियां
- 22 भाषायें आठवीं अनुसूची में
- जनगणना 2011 → 79.8% हिन्दू, 13.4% मुस्लिम, बौद्ध → 1.7%
  - ↓ भारत इंडोनेशिया पाक के बाद तीसरा बड़ा मुस्लिम देश
- आत्मसातीकरण एवं एकीकरण के प्रयास नहीं
- अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान एक्ट 2004
- भारतीय राजपत्रित अवकाश
  - → होली, दीवाली
  - → ईद, मिलादुन्नबी
  - → क्रिसमस,
  - → बुद्ध पूर्णिमा
  - → नानक जयंती
- → राज्य का कोई धर्म नहीं

→ राज्य समर्थित सुधार
- → ट्रिपल तलाक कानून
- → सती निषेध
- → नवरीशाला

कमजोर पक्ष

- → राजनीति में सीमित भागीदारी
- → सच्चर कमेटी ने कहा कि मुसलिमों आशिक्षा सर्वाधिक
- → आरक्षण के लाभ बहुसंख्यक समुदाय की जातियों को अधिकांशतः
- → अल्पसंख्यक हस्तक्षेप की शिकायतें
- → सांप्रदायिक घटनायें 1984, 2002

उपसंहार: भारतीय धर्मनिरपेक्षता संवैधानिक पंथनिरपेक्षता की दिशा में लगातार अग्रसर है। भारतीय धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों के प्रति प. यूरोप, अमेरिका तथा मध्य एशिया की रुचि बढ़ रही है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**20.** India spends less than one per cent of GDP on care work infrastructure and services. In view of the statement, explain how increased public investment in care economy infrastructure can be instrumental in meeting multiple policy objectives. **(250 words) 15**

भारत द्वारा देखभाल से संबंधित अवसंरचना और सेवाओं पर जी.डी.पी. के एक प्रतिशत से भी कम व्यय किया जाता है। इस कथन के आलोक में, स्पष्ट कीजिए कि देखभाल अर्थव्यवस्था अवसंरचना (केयर इकोनॉमी इंफ्रास्ट्रक्चर) पर सार्वजनिक निवेश में वृद्धि कई नीतिगत उद्देश्यों को पूरा करने में कैसे सहायक हो सकती है।

OXFAM की कमिटमेंट टू रिड्यूस इनइक्विलिटी रिपोर्ट के मुताबिक भारत सार्वजनिक सेवा पर GDP के % का खर्च करने वाले निम्नतर 10 देशों में शामिल है।

देखभाल अर्थव्यवस्था पर कम खर्च → प्रभाव

→ सामाजिक सुरक्षा प्रभावित

→ स्वास्थ्य में OOPE (आउट ऑफ पॉकेट खर्च)

→ बुजुर्गों - वृद्धजनों को समुचित जीवन स्तर नहीं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ सरकारी योजनाओं का अनुयायी हो जाना

केयर इकॉनमी में खर्च करने पर लाभ तथा सरकारी कार्यक्रम

① आर्थिक सर्वे 2021 के अनुमान

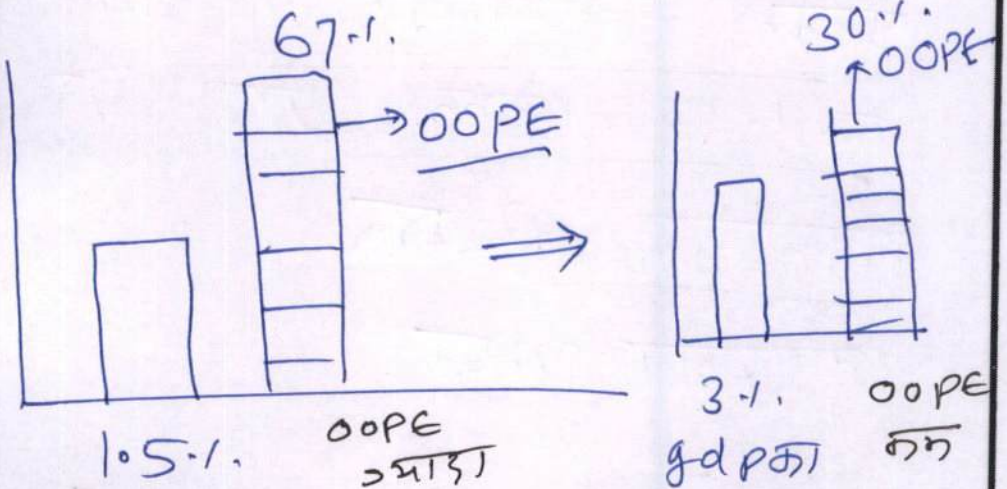




② सोशल स्टॉक एक्सचेंज के जरिए अवसंरचना विकास

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) SAGE कार्यक्रम
( सीनियर केयर एजिंग ग्रोथ इंटरप्राइजेस ]
→ वृद्धावस्था देखभाल के लिए स्टार्ट अप को प्रोत्साहन

(4) 2nd ARC ने कहा कि प्रत्येक कल्याणकारी योजना का 1% हिस्सा प्रति वर्ष मूल्यांकन पर खर्च।

(5) आयुष्मान भारत

—

देखभाल तथा सामाजिक सुरक्षा अनुच्छेद 41 और 42 के तहत राज्य की जिम्मेदारी है अतः देखभाल क्षेत्र में कार्य को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है।